

Self prediction

पर्सनलिटी सहिष्णु सरल भाबुक ,सदा मुस्कुराने वाला,सबकी मदद करने वाला ,हंसमुख ,सबके साथ प्यार से रहना ,अभिनय कला मे रुचि होना ,बोलने मे आतुरता ,अधिक बोलने वाले व स्पष्ट बोलने वाले ,ओर इसलिए दूसरों को सरलता से अपनी तरफ आकर्षित कर लेना ,परोपकारी ,बुरा करने वालों का भी हित करना . कभी कभी जल्दवाजी मे बिना सोच विचार के निर्णय लेते होंगे ओर कभी कभी निर्णय लेने मे असमंजस वाली स्थिति भी होती होगी । अक्सर द्रण निर्णय लेने मे परेशानी होती होगी । ओर इस कारण बाद मे नुकसान अक्सर होता होगा ।

ग्रह प्रभाव एवं जन्म पंचांग ----- दिनांक 04/09/2001 10.57 am इलाहाबाद ,तिथि -कृष्ण पक्ष द्वितीय ,राशि मीन (जलतत्वीय दविस्वभाव राशि),राशि स्वामी गुरु ,लग्न तुला(वायु तत्वीय ,चर लग्न),लग्न स्वामी शुक्र,नक्षत्र पूर्व भाद्रपद (4),नक्षत्र स्वामी गुरु ,गण - मानव ,नाड़ी -आदि ,वर्ण ==ब्राह्मण .

| लग्न | अंश | नक्षत्र स्वामी | राशि स्वामी | मैत्री/अस्त /वक्री | असर |
|---------|-------|----------------|-------------|----------------------------|---|
| तुला | 26.54 | गुरु | शुक्र | | राशि व लग्न तत्वतः भिन्न होने से निर्णय लेने मे थोड़ा असमंजस होता है ओर जीवन मे संघर्ष बड़ जाता है लग्नेश अंश बल अच्छा है लग्नेश शुक्र कर्म स्थान मे ,जो भी काम करेंगे , सफलता मिलेगी । काम से ही फायदा व नाम होगा । |
| सूर्य | 17.53 | शुक्र | स्वराशि | | एकादश मे स्वराशि सूर्य बहुत अच्छा ,पिता से सुख व सहयोग ,मान सम्मान मिलेगा । धन व स्व इच्छा पूर्ति होती रहेगी सरकारी नौकरी के लिए भी अच्छा , आत्मविश्वास बलि होगा । |
| चंद्रमा | 02.22 | गुरु | गुरु | अतिमित्र ,मृत अवस्था कमजोर | कर्मस्थान का स्वामी चंद्रमा ,6 th मे गया है । शठबल मे कमजोर है अकरक भी है । 6 th घर मे चंद्र की उपसतिथि इससे संबंधित रोग सर्दी झुकाम आदि दे सकती है व कर्मफल प्राप्त करने मे थोड़ा मन की अशान्ति व संघर्ष देगी । कार्य स्थल पर उतार चडाव व कार्य मे बदलाव होंगे । चूंकि लग्नेश कर्म स्थान मे है तो नौकरी से संबंधित समस्या हल भी होती रहेगी । भगवान शिव की पूजा करे |
| मंगल | 03.52 | केतु | गुरु | सम | कमजोर मंगल गुरु की राशि मे गुरु से द्रस्त है साथ ही अंगारक योग भी है । मंगल तीसरे भाव मे कारक है तो छोटे भाई बहन से अच्छे संबंध होंगे पर कमजोर है तो ऊर्जा का सही उपयोग नहीं करेंगे । पराक्रम ज्यादा होने पर भी फल उपयुक्त नहीं प्राप्त होंगे कई वार मेहनत करने चाहते होंगे परंतु सही दिशा नहीं चुनने पर प्रयास व्यर्थ होगा । ओर कई वार जल्दी हार भी मान लेते होंगे |
| बुध | 10.45 | चंद्रमा | स्वराशि | | द्वादश मे स्वराशि का बुध ,चालित मे एकादश का फल दे रहे है ओर बुध आदित्य योग का निर्माण हो रहा है अच्छा है इच्छा पूर्ति मे सहयोग मिलेगा । बुध भग्येश होकर 12 th मे गए है तब भाग्य मे कमी करेंगे है बुध बिजनस के लिए प्रभावी ग्रह है ।बिजनस मे भी सफलता मिल सकती है । सप्तम दरस्ती बुध की रोग भाव पर है तो रोग मे कमी करेंगे । छोटी मोटी विदेश यात्राएं होती रहेंगी ।व्यय भाव मे बुध अपने से संबंधित कारकत्व को व्यय कराएंगे जैसे धन खर्च,वाणी का खर्च (ज्यादा बोलना) । |
| गुरु | 16.35 | राहू | बुध | मित्र | गुरु भाव वरगोतम हुए है । भाग्य भाव मे कारक है अंश बल भी अच्छा है तब समय समय पर भाग्य का साथ मिलेगा । रोग भाव के स्वामी है तब छोटे मोटे पेट के रोग |

| | | | | | |
|-------------|-------|---------|-------|----------|--|
| | | | | | दे सकते हैं दशा में । शत्रु न के बराबर होंगे । पराक्रम के स्वामी अपने भाव को देख रहे हैं तो मेहनत का फल भी समय समय पर मिलेगा पर राहू के नक्षत्र में ,मंगल राहू व केतु के प्रभाव से मेहनत अधिक करनी होगी । गुरु की दरस्ती लग्न ,पंचम,पराक्रम पर और राहू की भी सभी जगह दरस्ती है तो सभी भाव के अच्छे फल संघर्ष के बाद ही प्राप्त होंगे । |
| शुक्र | 15.44 | शनि | चंद्र | शत्रु | शुक्र लग्नेश है । ये कला, संगीत ,कविता आदि में रुचि को दिखाता है कार्य क्षेत्र में स्त्री का साथ व सहयोग होगा । स्त्री पत्नी भी हो सकती है । लग्नेश का कर्म स्थान में बैठना आपके संबंधित कार्य में सफलता और नाम कराएगा । अगर ऊर्जा का सही इस्तेमाल करें तो कार्य क्षेत्र में कामयाबी पक्की है । शुक्र का चंद्रमा की राशि में ,और चंद्रमा का 6 th में बैठना कार्य में उतार चढ़ाव को दिखाता है । लेकिन कई ऐसी स्थितियाँ बन रही हैं की कार्य में सफलता मिलेगी । |
| शनि | 20.37 | चंद्रमा | शुक्र | अतिमित्र | शनि सर्वाधिक कारक ग्रह है शुक्र की राशि में अतिमित्र हुए हैं आयु अच्छी होगी / पतृक संपत्ति का लाभ होगा । पंचम भाव पर शनि के साथ सूर्य की दरस्ती संतान ,शिक्षा , प्रेम आदि में अड़चन के साथ प्राप्ति को दिखाता है । कर्म स्थान पर दरस्ती भी कार्यक्षेत्र में संघर्ष और थोड़ी देरी कराएगी । शनि के साथ राहू चालित में फल दे रहे हैं तब अपनी दशा अंतर्दशा में चोट दुर्घटना कर सकता है । और अचानक होने वाले किसी बड़े रोग के योग भी बनाते हैं । |
| राहू व केतु | 08.45 | | | | राहू गुरु के साथ उच्च के हैं सपोर्टिंग ग्रह हैं अच्छे फल देंगे साथ ही केतु मंगल के साथ मंगल के फल को बढ़ा रहे हैं जो पराक्रम व मेहनत करने में सहायक हैं परंतु सही दिशा व दशा में किया गया पराक्रम ही मंजिल तक पहुंचने में मदद करेगा इसलिए सोच विचार कर कदम उठाएँ |

01/12/2002 to 1/11/2021 तक शनि की दशा चालू है । शनि योग कारक है ,यह दशा सपोर्टिंग है परंतु इनके पास बल काम है और चालित में राहू के साथ है । शनि 1/11/2021 दशा खत्म होते होते अच्छा फल मिलेंगे राहू के साथ दुर्घटना योग बनाए हुए है तब स्वस्थ का ध्यान विशेष रखें और नियमित पूरी जिंदगी हनुमान जी की आराधना करें बजरंग बाण या हनुमान चलिषा पाठ करें । यही एक मात्र उपाय से अच्छे फल मिलेंगे ।

अंतर्दशा -

शनि राहू --6/2016 से 4/2019 तक ठीक मिले जुले फल ज्यादातर कठिन समय होगा ।

शनि गुरु --4/2019 से 11/2021 अच्छा समय ,पराक्रम अच्छा ,शिक्षा में लाभ ,प्रेम प्रसंग भी बन सकता है पर प्रेम में सफलता मुश्किल से मिलेगी

11/2021 से 11/2038 तक बुध की दशा होगी बुध भगवण है और स्वराशि के हैं अच्छा बल है तब थोड़ा खर्च बढ़ेगा परंतु धन लाभ व अन्य लाभ ,विदेश यात्रा आदि के योग बनते रहेंगे ।

सपोर्टिंग ग्रह -शनि,बुध ,शुक्र

रत्न = सोने की अंगूठी ,दाएँ हाँथ की मिडल उंगली नीली रत्न पहन सकते हैं या लोहे का छल्ला उसी उंगली में पहने ।

कलर=नीला ,हरा ,सफेद ,लाल पीला नहीं पहने

दिशा -पश्चिम ,उत्तर ,दक्षिण -पूर्व

पूजा =हनुमान चलिषा तथा बजरंग बाण पाठ करें हनुमान जी की आराधना करें व शनि के मंत्र जप हमेशा करें

शादी -----सप्तमेश पर राहू व केतु का प्रभाव व शुक्र भी मंगल से द्रुत ,सप्तमेश व लग्न का संबंध । नवमाश मे भी लग्न व सप्तम मे राहू,केतु मंगल ओर शुक्र का राशि परिवर्तन ,प्रेम विवाह के कुछ प्रभाव को दिखा रहा है हालांकि सूर्य की पंचम पर दरस्ती प्रेम को कमजोर करेगी ओर गुरु का लग्न व पंचम पर दरस्ती विवाह मे घर वालों की रजामंदी को दिखा रहा है । तब लव व अरैन्ज दोनों तरह की शादी की संभवना बन सकती है । 11/2021 से 3/2025 बुध बुध ओर बुध के साथ केतु की दशायों मे संघर्ष होगा उसके बाद आने वाले समय मे सारी मनोकामनाएं पूरी होती दिख रही है 1/2028 तक शादी भी संभव होगी

नौकरी -----दशमांश चार्ट मे कर्म स्थान पर राहू की दरस्ती, लग्नेश का पराक्रम मे ओर दशम के स्वामी का 6 th मे जाना कार्य स्थल पर संघर्ष दिखाता है । लग्न चार्ट मे शनि की कर्म भाव पर दरस्ती व दशम के स्वामी चंद्रमा का कमजोर होकर 6 th मे बैठना भी उतार चढ़ाव को दिखती है । कार्य मे बदलाव व ट्रांसफर होता रहेगा । कम्यूनिकेशन स्किल कार्य के दौरान अच्छा सपोर्ट करेगी । साथ ही कार्य स्थल पर सहयोग अच्छा प्राप्त होगा । गुरु से संबंधित कार्य /बिजनस व पिता के साथ मिल कर किए कार्य मे सफलता मिल सकती है ।

ओम नमः शिवाय